विषय-सूची

भाग-I

1. मानव (नृ) विज्ञानः एक परिचय **1**

मानव विज्ञान का अर्थ 1
मानव विज्ञान का विषय क्षेत्र 1
मानव विज्ञान का उद्‌विकास 2
भारत में मानव विज्ञान का आरंभ 3

2. मानव विज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध **4**

मानव विज्ञान एवं अन्य विज्ञानों में संबंध 4
नवीन शारीरिक मानव विज्ञान 6

3. मानवशास्त्र की प्रमुख शाखाएं: क्षेत्र एवं प्रासंगिकता **7**

4. मानव का उद्‌विकास तथा प्रबुद्ध मानव **10**

मानव का उद्‌विकास 10
जैव विकास का सिद्धांत (पूर्व-डार्विनवाद) 12
विकास का संश्लेषण सिद्धांत 14
विकासात्मक जीव विज्ञान की अन्य संकल्पनाएं 15

5. उच्चस्तनीय प्राणियों (प्राइमेट्स) के लक्षण **17**

प्राइमेट्स के लक्षण 17
प्राइमेट्स का विकास 18
प्राइमेट्स का वर्गीकरण (वृक्षीय तथा स्थलीय) 19
तृतीयक एवं चतुर्थक जीवाश्म नर-वानर 21
प्रमुख जीवित प्राइमेट्स 24
मानव एवं कपि की तुलनात्मक शरीर-रचना 29
चिम्पांजी 32
ऊर्ध्व संस्थिति एवं द्विपादिता के कारण मानव में आये संरचनात्मक परिवर्तन 38

6. जातिवृत्तीय स्थितिः विशेषताएं तथा भौगोलिक वितरण **42**

पिलो-प्लीस्टोसीन होमोनिड्स जीवाश्मः 42
ऑस्ट्रेलोपिथिकस अफ्रीकंस
होमो इरेक्ट्स 45
निएण्डरथल मानव 48
रोडेशियाई मानव 51
मेधावी मानवः होमोसेपियन्स 53

7. जीवन के जीव-वैज्ञानिक आधार **58**

कोशिकाः परिचय एवं संरचना 58
जीन 69
सहलग्नता 70
पुनर्संयोजन एवं जीन विनिमय 71
उत्परिवर्तन 73
गुणसूत्र तथा डी.एन.ए. संरचना 75
गुणसूत्र 76
डी.एन.ए. 77
आर.एन.ए. 77

8. प्रागैतिहासिक पुरातत्व विज्ञान एवं संस्कृति **79**

सापेक्ष एवं परम काल निर्धारण विधियां 79
मानव का सांस्कृतिक क्रम विकास 80

9. संस्कृति की प्रकृति **82**

संस्कृति की अवधारणा 82
सांस्कृतिक सापेक्षवाद 86
सभ्यता 87
नृजाति केंद्रीयतावाद 87

10. समाज की प्रकृति **89**

अर्थ एवं परिभाषा 89
समाज के विकासवादी आयाम 90
समाज एवं संस्कृति 92
सामाजिक संस्था 93
सामाजिक समूह 95
सामाजिक स्तरीकरण 100

11. विवाह **101**

अर्थ एवं परिभाषा 101
विवाह के नियम 101

विवाह के प्रकार 102
जोड़े कैसे बनाए जाते हैं? 103
विवाह के अधिमान्य प्रकार 105
विवाह मूल्य 105
निषिद्ध वर्ग और कौटुम्बिक व्यभिचार 106
भारत में विवाह 106

12. परिवार 108

परिभाषा 108
परिवार पर औद्योगीकरण का प्रभाव 112
परिवार का भविष्य 112

13. नातेदारी 114

अर्थ एवं परिभाषा 114
वंशक्रम 115
भ्रातृदल या गोत्र समूह 116
कुल समूह 117
सह-सम्बन्ध 117
युग्म संगठन व अर्द्धक 117
युवा-गृह 118
नातेदारी शब्दावली 119

14. आर्थिक संगठन 120

अर्थ 120
आर्थिक मानव विज्ञान: क्षेत्र एवं प्रासंगिकता 120
रूपवादी एवं तत्ववादी बहस 120
उत्पादन, वितरण एवं विनिमय 121
शिकार एवं संग्रहण तथा मत्स्यन 124
पशुचारण 124
कृषि 125
भूमंडलीकरण तथा देशीय आर्थिक व्यवस्थाएं 126

15. राजनैतिक संगठन एवं सामाजिक नियंत्रण 129

जनजातीय समाज 129
शक्ति की अवधारणा 130
सत्ता 131
वैधता 132
सरल समाजों में सामाजिक नियंत्रण 132
सरल समाजों में कानून एवं न्याय 133

16. धर्म 135

धर्म के अध्ययन में नृवैज्ञानिक उपागम 135
पवित्र एवं अपावन 136
मिथक एवं कर्मकाण्ड 137
जनजातीय एवं कृषक समाजों में धर्म के रूप 137
धर्म, जादू एवं विज्ञान विशिष्ट 139
जादुई-धार्मिक कार्यकर्ता 141

17. नृ-वैज्ञानिक सिद्धांत 143

उद्विकासवादी सिद्धांत 143
क्लासिकी विकासवाद 143
विसरणवाद तथा ऐतिहासिक विशिष्टतावाद 147
प्रकार्यवाद 150
संरचना-प्रकार्यवाद 151
संरचनावाद 152
संस्कृति तथा व्यक्तित्व सम्प्रदाय 153
सांस्कृतिक नव-उद्विकासवाद 156
सांस्कृतिक भौतिकवाद 157
सांकेतिक तथा व्याख्यात्मक सिद्धांत 158
संज्ञानात्मक मानवशास्त्रीय सिद्धांत 160
मानवशास्त्र में आधुनिकतावाद 161
उत्तर-आधुनिकतावाद 162

18. सांस्कृतिक, भाषा एवं संचार संस्कृति 166

संस्कृति 166
भाषा 167
संचार 167

19. नृ-विज्ञान में अनुसंधान पद्धतियां 169

नृ-विज्ञान में क्षेत्रकार्य परम्परा 169
तकनीक, पद्धति एवं कार्य विधि के बीच विभेद 170
दत्त संग्रहण 170
विश्लेषण व प्रस्तुतीकरण के साथ 172
आधुनिक प्रवृत्तियां
सूचना के द्वितीयक स्रोत 172
सहभागी अवलोकन 173

20. मानव आनुवंशिकी **174**
मानव आनुवंशिकी: पद्धति एवं अनुप्रयोग 174
DNA-पुनर्योगज पद्धतियां 176

21. मेण्डलीय आनुवंशिकी **179**
मानव-परिवार अध्ययन में मेंडलीय आनुवंशिकी 179
आनुवंशिकी का जन्म 181
घातक जीन 182
अनेकजीनी वंशागति 183

22. आनुवंशिक बहुरूपता, भिन्नताएं एवं परिवर्तन के कारक **184**
आनुवंशिक बहुरूपता एवं वरण की संकल्पना 184
बारबांरता में कमी लाने वाले परिवर्तन एवं उत्परिवर्तन 186

23. गुणसूत्र एवं गुणसूत्री विपथन **189**
गुणसूत्र एवं मनुष्यों में गुणसूत्री विपथन क्रिया-विधि 189
मानव रोगों में आनुवंशिक अध्ययन 191
ओपेरॉन परिकल्पना 192

24. प्रजाति एवं प्रजातिवाद **194**
मानव का प्रजातीय विभेदीकरण 194
आकारिकी विभिन्नताओं का जीव वैज्ञानिक आधार 195
आनुवंशिकता एवं पर्यावरण के संबंध में प्रजातीय विशेषक 195
मनुष्य में प्रजाति वर्गीकरण 196
प्रजातीय विभेदन 198

25. आनुवंशिक चिन्हक के रूप में जनसंख्या विभेद **200**
जीन आकृतिक अथवा आनुवांशिकी शारीरिक लक्षण 200

26. पारिस्थितिकी मानव विज्ञान की संकल्पना **203**
पर्यावरणीय दबावों के प्रति मनुष्य की शरीर क्रियात्मक अनुक्रियाएं 203
मानव रोग 205

27. मानव संवृद्धि एवं विकास की संकल्पना **211**
मानव संवृद्धि की विभिन्न अवस्थाएं 211
वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक 213
मानव शरीर गठन एवं कायिक प्रकार 214
वृद्धि अध्ययन की क्रिया विधियां 215
बहु-प्रजननता 215

28. नृ-विज्ञान के अनुप्रयोग **222**
खेलों का नृ-विज्ञान 222
अनुप्रयुक्त मानव आनुवंशिकी 223

भाग-II

29. भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का विकास **227**
प्रागैतिहासिक संस्कृति की स्थूल रूप-रेखा 227
ताम्रपाषाण संस्कृतियां 231

30. भारत में नृ-जाति पुरातत्व विज्ञान **234**
प्रागैतिहासिक अध्ययन 234
शिकारी, मछुआरी, पशुचारक व शिल्प उत्पादक समुदायों में उत्तरजीवक 234

31. भारत की जनांकिकीय परिच्छेदिका **237**
भारत की जनसंख्या 237
भारतीय जनसंख्या में नृजातीय एवं भाषायी तत्व 239
भारतीय जनसंख्या में कुछ प्रजातीय तत्व 240
जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारक 241
जनसंख्या समस्याएं और नीतियां 243

32. भारतीय सामाजिक प्रणाली **246**
पवित्र मनोग्रंथि एवं प्रकृति-मनुष्य प्रेतात्मा मनोग्रंथि 247

33. भारत में जाति व्यवस्था **249**
जाति व्यवस्था की संरचना 249
वर्ण एवं जाति 250
जाति व्यवस्था के उद्‌गम के सिद्धांत 252
प्रभावशाली जाति 253

जाति गतिशीलता 254
जाति व्यवस्था का भविष्य 255
जजमानी व्यवस्था 256

34. भारतीय समाज पर बौद्ध, जैन, ईसाई तथा इस्लाम धर्म का प्रभाव 258

जैन धर्म 258
बौद्ध धर्म 260
ईसाई धर्म 262

35. भारत में नृ-विज्ञान का आर्विभाव एवं समृद्धि 264

भारतीय नृ-वैज्ञानिकों का योगदान 265

36. भारतीय ग्राम 268

ग्रामीण समाजशास्त्र का उद्‌भव और विकास 268
ग्रामीण सामाजिक संरचना 269
संबंधों के बदलते प्रतिरूप: अंतर्जातीय संबंध 271
भारतीय ग्रामों में कृषिक संबंध 272
भारतीय ग्रामों पर भूमंडलीकरण का प्रभाव 272

37. धार्मिक व भाषायी अल्पसंख्यक 273

धार्मिक अल्पसंख्यक 273
भाषायी अल्पसंख्यक 276

38. भारतीय समाज में सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन की देशीय व बहिर्जात प्रक्रियाएं 277

संस्कृतिकरण 277
पश्चिमीकरण 279
आधुनिकीकरण 281
लघु एवं वृहत् परम्पराएं 282
पंचायती राज एवं सामाजिक परिवर्तन 283
मीडिया एवं सामाजिक परिवर्तन 283

39. भारत में जनजाति स्थिति 285

जनजातीय जनसंख्या 285
जनसंख्या प्रवृत्तियां तथा वर्तमान स्थिति 286
जनजातियों में प्रजातीय तत्व 287
जनजातियों में भाषायी तत्व 289
जनजातियों की ऐतिहासिक, सामाजिक व आर्थिक विशेषताएं 291

40. जनजातीय समुदायों की समस्याएं 297

41. जनजातीय विकास परियोजनाएं, स्थानांतरण तथा पुनर्वास समस्याएं 301

वन-नीति एवं जनजातीय विकास 305
जनजातियों पर नगरीकरण तथा औद्योगीकरण का प्रभाव 306

42. अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों की वंचन की समस्याएं तथा प्रावधान 307

सामाजिक न्याय 307
अनुसूचित जाति 308
अनुसूचित जनजातियां 310
अन्य पिछड़े वर्ग 312
अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों की रक्षा, उत्थान व कल्याण के लिए विशिष्ट सांवैधानिक रक्षोपाय 314
जनजाति वन अधिकार अधिनियम 315

43. सामाजिक परिवर्तन तथा समकालीन जनजातीय समाज 316

विकास कार्यक्रम 316
जनजातीय विकास कार्यक्रम 317

44. नृजातीयता की संकल्पना 320

नृजातीय द्वंद्व एवं राजनैतिक विकास 320
जनजातीय समुदायों के बीच अशांति 321
कुछ पृथक्तावादी जनजातीय द्वंद्व 326
उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में जनजातीय आंदोलन 327
औपनिवेशिक एवं स्वातंत्रयोत्तर भारत के दौरान जनजातियों में आये सामाजिक परिवर्तन 328

45. जनजातीय समाज पर हिन्दू, ईसाई, बौद्ध व इस्लाम धर्म का प्रभाव 330

जनजातीय धर्म पर हिन्दू एवं ईसाई धर्म का प्रभाव 330
जनजातियों पर बौद्ध धर्म व इस्लाम धर्म का प्रभाव 332

46. जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन का इतिहास **333**
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 333
अनुसूचित क्षेत्र 333
आदिवासी क्षेत्र 336
राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग 340
जनजातीय विकास नीतियां: ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 341
प्रमुख कार्यनीति के रूप में जनजातीय उप-योजना 341
जनजातीय विकास कार्यक्रम एवं क्रियान्वयन 345
आदिम जनजातीय समूहों के विकास के लिए सहायता कार्यक्रम 346
जनजातीय विकास में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका 347
अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रमुख भागीदार 351

47. जनजातीय, क्षेत्रीयतावाद, सांप्रदायिकता तथा कुछ नृ-जातीय आंदोलनों में नृ-विज्ञान की भूमिका **353**
जनजातीय विकास में नृ-विज्ञान की भमिका 353
ग्रामीण विकास में मानव विज्ञान की भूमिका 354
क्षेत्रीयतावाद 355
साम्प्रदायिकता नृजातीयता से संबंध 355

परिशिष्ट

परिवार पर नारी अधिकारवादी आंदोलनों का प्रभाव 357
स्विडेनिंग (झूम कृषि) 359
भाषा प्रयोग के सामाजिक संदर्भ 359
समरक्त एवं असमरक्त समागम 360
आनुवंशिक भार 361
प्रजातीय निकष 362
प्रजाति संकरण का जीव वैज्ञानिक आधार 362
पारिस्थितिक नृविज्ञान की संकल्पनाएं एवं पद्धतियां 363
जैव-सांस्कृतिक अनुकूलन-जननिक एवं अजननिक कारक 363
काल प्रभावन एवं जरत्व: सिद्धांत एवं प्रेक्षण– जैविक एवं कालानुक्रमिक दीर्घायु 364
रजोदर्शन, रजोनिवृत्ति एवं प्रजनन शक्ति की अन्य जैव घटनाओं की प्रासंगिकता 365
प्रजनन शक्ति के प्रतिरूप एवं विभेद 366
जनांकिकीय सिद्धांत–जैविक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक 368
रक्षा एवं अन्य उपकरणों की अभिकल्पना में नृविज्ञान 372
न्यायालयिक नृविज्ञान 373
व्यक्ति अभिज्ञान एवं पुनर्रचना की पद्धतियां एवं सिद्धांत 373
रोगों एवं आयुर्विज्ञान में डीएनए प्रौद्योगिकी 376
जनन जीव विज्ञान में सीरम आनुवंशिकी तथा कोशिका आनुवंशिकी 377
भारतीय सभ्यता में जनजातीय संस्कृतियों का योगदान 379
जनजातीय एवं ग्रामीण विकास में नृविज्ञान की भूमिका 381
जनजाति एवं राष्ट्र राज्य भारत एवं अन्य देशों में जनजातीय समुदायों का तुलनात्मक अध्ययन 383